

दिनांक आज्ञा पत्र

17⁷/₈

प्रावर्णी के अ/नाथ, उच्चमपस हाजिरे,
 वरुम मूल गर्दन पर पर पुत्री अथ/प्रावर्णी
 का अ/नाथ वि. सं. 30/2/8 के पत्र हो ✓

30⁷/₈

प्रावर्णी के अ/नाथ उच्चमपस हाजिरे /
 उपखण्ड अधिकारी, सीकर
 गर्दन पर अ/नाथ के सीकर किया जा रहा
 है / निर्गम कर्मका से लिखा जाकर
 शांति के प्रावर्णी किया / प्रावर्णी
 के अ/नाथ होकर नया से अ/नाथ
 हाजिरे दफ्तार है / निर्गम काज में
 समाप्त है उगापा अ/नाथ ✓

उपखण्ड अधिकारी, सीकर